University in News on 17 May 2022

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लखनऊ विश्वविद्यालय के तीन छात्र बने असिस्टेंट प्रोफेसर

लखनऊ (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा आयोग द्वारा घोषित उम्मीदवारों की सूची में लखनऊ विश्वविद्यालय के केमिस्ट्री विभाग के तीन छात्रों को सफलता मिली है। असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए चयनित इन तीनों छात्रों में रंजीत मौर्या, वीरेंद्र कुमार और बलदेव यादव शामिल है।

नेचर इंडेक्स में लविवि को यूपी में मिली प्रथम रैंक : नेचर इंडेक्श रैंकिंग में इस वार लखनऊ विश्वविद्यालय को 71वां स्थान प्राप्त तथा उत्तर प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

शोध नेचर जर्नल द्वारा एक दिसम्वर 2020 से 30 नवम्वर 2021 के दौरान प्रकाशित नेचुरल साइंसेज में चुने 82 अन्तरराष्ट्रीय उच्च स्तरीय शोध जर्नल में किसी प्रकाशन आउटपुट पर आधारित है। नेचर इंडेक्स रैंकिंग नेचुरल साइंसेज के क्षेत्र में विभिन्न शोध एवं शैक्षणिक संस्थानों के योगदान को दर्शाती है। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि के लिए शोध से जुड़े सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों को वधाई दी है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

कुलपति भी करा सकेंगे पीएचडी

नए अध्यादेश में व्यवस्था, वर्तमान सत्र 2021-22 के लिए पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू

अक्षय कुमार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों के साथ अब कुलपति भी पीएचडी करा सकेंगे। विवि प्रशासन की ओर से हाल ही में पीएचडी का नया अध्यादेश 2020 पास किया गया है। इसमें अन्य संशोधन के साथ यह भी व्यवस्था कर दी गई है। इसका उद्देश्य यह भी है कि कुलपति के पद पर आने वाले शिक्षक सिर्फ प्रशासनिक दायित्व तक ही न सिमट कर रह जाएं, बल्कि शैक्षणिक योगदान भी जारी रखें।

विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से बीते दिनों पीएचडी का नया अध्यादेश राजभवन भेजा गया था। वहां से हरी झंडी के बाद वर्तमान सत्र 2021-22 के लिए पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। अध्यादेश के बिंदु संख्या 6.3 में कहा गया कि निर्धारित योग्यता (शैक्षणिक व शोध) पूरी करने वाले कुलपति भी पीएचडी करा सकेंगे। इससे आने वाले कुलपति के लिए पीएचडी कराने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, अभी इसके विस्तृत दिशा-निर्देश आने बाकी हैं। इस बारे में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि कुलपति पद पर आने वाले लोग किसी न किसी शिक्षण संस्थान के अनुभवी शिक्षक होते हैं। ऐसे में वे सिर्फ एक प्रशासक ही न बनकर रह जाएं, इसलिए व्यवस्था की गई है कि उनका शिक्षण, शोध चलता रहे। उनकी शैक्षणिक सहभागिता भी सुनिश्चित हो सके, क्योंकि किसी भी विवि का मूल वहां की शिक्षण व्यवस्था ही होती है। उन्होंने कहा कि कोई भी कुलपति तीन साल के लिए तैनात होता है। ऐसे में पद पर आने के साथ ही अगर वे पीएचडी सुपरवाइजर बनते हैं तो तीन साल में पीएचडी करा सकते हैं। अगर इस दौरान पीएचडी नहीं पूरी होती है तो कार्यकाल पूरा होने के बाद को-सुपरवाइजर की भूमिका निभा सकते हैं।

इसी सत्र से कॉलेज शिक्षकों को भी मौका

नए पीएचडी अध्यादेश के तहत दी व्यवस्था के अनुसार ही सत्र 2021-22 से कॉलेजों के शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का अवसर दिया गया है। इसी क्रम में रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कॉलेजों को पत्र भेजकर सात मई तक अर्ह शिक्षकों की सूची मांगी थी। इसके बाद विवि के संबंधित विभाग की ओर से इनकी जांच कर रिपोर्ट विवि प्रशासन को 15 मई तक भेजी जानी थी। हालांकि, कॉलेजों ने इसका समय बढ़ाने की मांग की है। जल्द ही पीएचडी प्रवेश आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी।

लविवि : नेचर इंडेक्स में प्रदेश में पहला स्थान

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग में 23 अंकों की छलांग लगाते हुए प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं, देशभर के विश्वविद्यालयों में लविवि को 30वां स्थान मिला है। गत दो वर्षों में लविवि ने क्यू एस रैंकिंग, टाइम्स रैंकिंग व एनआईआरएफ रैंकिंग में भी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है।

यह रैंकिंग अंतरराष्ट्रीय शोध जर्नल नेचर द्वारा एक दिसंबर 2020 से 30 नवंबर 2021 के दौरान प्रकाशित नैचुरल साइंसेज के चुने हुए 82 अंतरराष्ट्रीय उच्च स्तरीय शोध जर्नलों में किसी संस्थान के प्रकाशन आउटपुट पर आधारित हैं। संस्थानों की रैंकिंग इन चुनिंदा वैज्ञानिकों के एक स्वतंत्र पैनल द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर की जाती है। नेचर इंडेक्स रैंकिंग, नेचुरल साइंसेज के क्षेत्र में विभिन्न शोध एवं शैक्षणिक संस्थानों के योगदान को दिखाती है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भी विवि द्वारा हासिल यह रैंकिंग शोध के प्रति उत्कृष्ट कार्य को दिखाती है। पिछले सालों की अपेक्षा इस साल विश्वविद्यालय की शोध गुणवत्ता में भी गुणात्मक बढोत्तरी हुई है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए पिछले दो वर्षों में कई कदम उठाए गए हैं। जिसमें शिक्षकों व छात्रों के लिए प्रोत्साहन योजनाएं, छात्राओं के लिए शोध मेधा योजना, नया पीजी आर्डिनेंस लागू करना आदि प्रमुख हैं। प्रो. राय ने कहा कि इसी क्रम में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति मे स्नातक स्तर पर भी शोध को पाठ्यक्रम में जोडा गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय इसे लागू करने वाला पहला विश्वविद्यालय है।

रैंकिंग में 23 अंकों की छलांग, देश के विश्वविद्यालयों में 30वां स्थान

छात्र व शिक्षक एक साथ करेंगे योग

लखनऊ। लविवि 21 जून को अमृत महोत्सव के रंग में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि योग दिवस विवि व कॉलेजों के 7500 छात्र एक साथ योग करेंगे। उधर, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि में योग दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम होंगे। विवि के क्रीड़ा व योग प्रकोष्ठ निदेशक प्रो. नागेंद्र यादव ने बताया कि 100 शिक्षकों व कर्मचारियों तथा 100 छात्र एकसाथ योग करेंगे। इस मौके पर निरोगी जीवन के आयाम पर परिचर्चा के साथ ही पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से छात्र योग का महत्व समझाएंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 4

एलयू : एमएससी में अब आणविक और मानव आनुवांशिकी पाठ्यक्रम

■एनबीटी, लखनऊ : लखनऊ यूनिवर्सिटी इस सत्र से एमएससी आणविक और मानव आनुवांशिकी पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। 25 सीटों पर दाखिला लिया जाएगा। नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत चार सेमेस्टर का यह पाठ्यक्रम वायोटेक्नॉलजी विभाग दिल्ली के मानक के तहत तैयार किया गया है। एलयू के इंस्टिट्यूट ऑफ मालिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज में यह पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा। आवेदन 10 जून तक किए जाएंगे।

> 25 सीटों पर दाखिला लिया जाएगा, 10 जून तक किए जाएंगे आवेदन

इंस्टिट्यूट ऑफ मालिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज की निदेशक प्रो. मोनिषा बनर्जी के मुताबिक, सीटों से ज्यादा आवेदन आए तो, दाखिला परीक्षा होगी अन्यथा मेरिट के आधार पर एडमिशन दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दाखिला लेने वाले विद्यार्थी आरटीपीसीआर से जुड़ी जांच, अनुवांशिकी रोग की डीएनए टेस्टिंग और वायरस को पहचाना समेत कई तरह की दवा वनाने के तरीके सहित तमाम जानकारियां कर सकेंगे। अभी तक सिर्फ बीएचयू और जीवाजी यूनिवर्सिटी, मध्य प्रदेश में इस कोर्स की पढ़ाई होती है। इसकी फीस 55000 रुपये प्रति सेमेस्टर तय की गई है।

HINDUSTAN PAGE 5

नेचर इंडेक्स: एलयू को 71वीं रैंक, यूपी में पहले नंबर पर

उपलब्धि

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। नेचर इंडेक्स रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय ने 23 पायदान की छलांग लगायी है। पिछले वर्ष की 94वें स्थान की तुलना में इस वर्ष एलयू को 71 वां स्थान मिला है। वहीं प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान मिला है। अंतर्राष्टीय ख्यातिप्राप्त शोध जर्नल नेचर द्वारा एक दिसंबर 2020 से 30 नवंबर 2021 के दौरान प्रकाशित नैचुरल साइंसेज के चुने हुए 82 अंतर्राष्ट्रीय उच्च स्तरीय शोध जर्नल में किसी संस्थान के प्रकाशन आउटपुट पर आधारित हैं।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग, नेचुरल साइंसेज के क्षेत्र मे विभिन्न शोध एवं शैक्षणिक संस्थानों के योगदान को दर्शाती है। विषयवार रैंकिंग में देश भर के सभी संस्थानों में विवि के फिजिक्स विभाग को 53 वां और केमिस्ट्री विभाग को 74 वां स्थान मिला है। देश के विश्वविद्यालयों के बीच ये स्थान क्रमशः 21 वां और 38 वां है।

एलयू के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि के लिए शोध से जुड़े सभी शिक्षकों एवं छात्रों को विशेष रूप से बधाई। शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए पिछले दो वर्षो मे अनेक कदम उठाए गए हैं। इससे न केवल गौरव बढता है बल्कि शैक्षणिक कार्यो में रचनात्मकता का विकास होता है।

PIONEER PAGE 3

नेचर इंडेक्स रैंकिग में सूबे में एलयू पहले पायदान पर

लखनऊ। पिछले कुछ वर्षों में लखनऊ विवि ने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। लखनऊ विवि को इस बार नेचर इंडेक्स रैंकिंग में सूबे के पहले विवि होने का दर्जा दिया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर विवि 71वें पायदान पर है। पिछले साल यह 94वें स्थान पर था। विवि की अधिष्ठता छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन ने बताया कि नेचर इंडेक्स रैंकिंग में इस वर्ष 71वां स्थान हासिल कर पूरे प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। देश के सभी विश्वविद्यालयों के बीच लखनऊ विवि का 30वां स्थान है। अंतरराष्ट्रीय शोध जर्नल नेचर की रैंकिंग एक दिसंबर 2020 से 30 नवंबर 2021 के दौरान प्रकाशित नैचुरल साइंसेज के चुने हुए 82 अंतरराष्ट्रीय उच्च स्तरीय शोध जर्नल में किसी संस्थान के प्रकाशन आउटपुट पर आधारित हैं। विश्वविद्यालय के इन अंतरराष्ट्रीय शोध जर्नल में कुल पांच शोध जर्नल तीन फिजिक्स, दो केमेस्ट्री शामिल हैं।

स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षाएं कल से शुरू

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय स्नातक और परास्नातक की विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं खत्म हो चुकी हैं और परिणाम जारी किए जा रहे हैं। स्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के बाद अब 18 मई से स्नातक पुराने पाठ्यक्रम की परीक्षाएं शुरू हो रही है। बीए, बीएससी, बीकॉम पुराने पाठ्यक्रम की परीक्षाएं 18 मई से एक जुलाई तक होंगी।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानन्द त्रिपाठी ने बताया कि वार्षिक परीक्षाओं की तैयारियां पूरी हो गई हैं। प्रवेश पत्र अपलोड हैं। इन परीक्षाओं के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय (मुख्य परिसर) को केन्द्र बनाया गया है। जहां दो पालियों में सुबह नौ से 12 एवं दोपहर दो से पांच बजे परीक्षाएं होंगी।

बीए बीएससी तृतीय वर्षीय (गणित) पुराने पाठ्यक्रम की परीक्षाएं 18 मई से 24 जून, बीकॉम तृतीय वर्षीय पुराने पाठ्यक्रम की परीक्षाएं 18 मई से नौ जून, बीए तृतीय वर्षीय पुराना पाठ्यक्रम की परीक्षाएं 18 मई से एक जुलाई तक होंगी।

> **18** मई से एक जुलाई तक परीक्षाओं का आयोजन
> ■ एलयू में पुराने पाठ्यक्रम की परीक्षा के लिए पूरी तैयारी

तीन छात्र बने असिस्टेंट प्रोफेसर

लखनऊ विश्वविद्यालय के केमिस्ट्री विभाग के तीन छात्रों का चयन असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हुआ है। उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा सेवा आयोग द्वारा घोषित योग्य उम्मीदवारों की सूची में केमिस्ट्री के रंजीत मौर्या, वीरेन्द्र कुमार एवं बलदेव यादव का नाम शामिल है।

TOI PAGE 2

LU improves rank for research despite Covid

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University has secured the 71st spot in the Nature Index Ranking. Under it, an institute is ranked on the basis of its research output every year.

Last year, LU had bagged 94th place, improving its rank by 23 points. LU was the only state university to get a place in the prestigious ranking.

"Despite the pandemic, the university has improved its ranking by producing high-impact factor research papers published in the reputed international journal," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He said that to motivate and promote good research work, LU had come up with various schemes for felicitating students and teachers.

"The ranking has been awarded based on the research papers produced by the university between December 1, 2020, and November 1, 2021, a time when the pandemic had hit academics badly but we improved our rank," he added.

Srivastava said that in the past two years, LU had figured in the National Institutional Ranking Framework and a number of international rankings.

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में लविवि को मिला प्रदेश में पहला और देश में 30वां स्थान

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ। नेचर इंडेक्स रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय ने 23 अंकों की छलांग लगाते हुए पिछले वर्ष की 94वें स्थान की तुलना में इस वर्ष 71वां स्थान हासिल कर पूरे उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान हासिल किया है। देश के विश्वविद्यालयों के बीच लखनऊ विश्वविद्यालय का 30वां स्थान रहा। अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त शोध जर्नल नेचर द्वारा साल 1 2020 दिसंबर से 30 नवंबर 2021 के दौरान प्रकाशित नैचुरल साइंसेज के चुने हुए 82 अंतराष्ट्रीय उच्च स्तरीय शोध जर्नलो में किसी संस्थान के प्रकाशन आउटपुट पर आधारित हैं। संस्थानों की रैंकिंग इन चुनिंदा जर्नल को उनके विषय क्षेत्रों के अग्रणी वैज्ञानिकों के एक स्वतंत्र पैनल द्वारा अंतराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के आधार पर कराई जाती है। नेचर इंडेक्स रैंकिंग, नैचुरल साइंसेज के क्षेत्र मे विभिन्न शोध एवं शैक्षणिक संस्थानों के योगदान को दर्शाती है। कोविड महामारी के दौरान भी लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा हासिल यह रैंकिंग लखनऊ विश्वविद्यालय मे शोध के प्रति उत्कृष्ट रुझान को प्रदर्शित करती है। पिछले सालों की अपेक्षाकृत इस वर्ष लखनऊ विश्वविद्यालय की शोध गुणवत्ता मे भी गुणात्मक बढोत्तरी की है, जिसके कारण इस वर्ष लखनऊ विश्वविद्यालय की रैंकिंग मे वृद्धि हुई है। लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय मे शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए पिछले दो वर्षो मे अनेक कदम उठाए गए है जिसमे शोध कार्य मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों एवं छात्रों के लिए प्रोत्साहन योजना, महिला शोध छात्राओं के लिए शोधमेधा योजना, नया पीजी आर्डिनेन्स लागू करना समेत अन्य प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल विश्वविद्यालय का गौरव बढता है बल्कि शैक्षणिक कार्यों में नवाचार एवं रचनात्मकता का विकास भी होता है। इसे ध्यान मे रखते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति मे स्नातक स्तर पर भी रिसर्च कार्य को पाठ्यक्रम में जोड़ा गया है और विश्विद्यालय इसे लागू करने वाला सभी विश्वविद्यालयों

JAGRAN CITY PAGE III

नेचर इंडेक्स रैंकिंग : राज्य विश्वविद्यालयों की सूची में लखनऊ विश्वविद्यालय पहले स्थान पर

जागरण संवाददाता, लखनऊ : नेचर इंडेक्स रैंकिंग में प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों की श्रेणी में लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) को पहला स्थान मिला है। वहीं, देश के सभी शैक्षिक संस्थानों की रैंकिंग में लवि 71वें स्थान पर है। पिछले साल 94वां स्थान था। सोमवार को लवि ने यह सूचना जारी की।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि लवि ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग में इस वर्ष 71वां स्थान हासिल कर पूरे प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। देश के सभी विश्वविद्यालयों के बीच लखनऊ विश्वविद्यालय का 30वां स्थान है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय शोध जर्नल नेचर की रैंकिंग एक दिसंबर 2020 से 30 नवंबर 2021 के दौरान प्रकाशित नैचुरल साइंसेज के चुने हुए 82 अंतरराष्ट्रीय उच्चस्तरीय शोध जर्नल में किसी संस्थान के प्रकाशन आउटपुट पर आधारित है। इन अंतरराष्ट्रीय शोध जर्नल में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुल पांच शोध जर्नल (तीन फिजिक्स, दो केमेस्ट्री) शामिल हैं। इसके तहत देश में 71वां और उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में पहला स्थान मिला है।

भौतिक विज्ञान विभाग को 53वां स्थान : विषयवार रैंकिंग में देशभर के सभी संस्थानों में लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग को 53वां तथा रसायन विभाग को 74वां स्थान मिला। देश के विश्वविद्यालयों के बीच यह स्थान क्रमशः 21वां व 38वां है।

- लखनऊ विश्वविद्यालय के पांच शोध जर्नल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुने गए

> इस उपलब्धि के लिए शोध से जुड़े सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को विशेष रूप से बधाई। विश्वविद्यालय में शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए पिछले दो साल में कई कदम उठाए गए हैं। इसमें शोध कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों एवं छात्रों के लिए प्रोत्साहन योजना, छात्राओं के लिए शोध मेधा योजना, नया पीएचडी अध्यादेश लागू करना आदि प्रमुख हैं।
>
> –प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय